विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 24 से 30 अक्तूबर 2023 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 18 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

हम जीवन में स्वयं के लिए जिस सम्मान की चाहत रखते हैं, वही सम्मान जब दूसरों को देना शुरू कर दें तो कभी सम्मान की इच्छा ही नहीं होगी. सम्मान और प्रेम यह देने से ही बढ़ता है. इसलिए सभी को सम्मान देने वाले को कभी जीवन में अपमानित होने की नौबत नहीं आती है.

पेज नंबर 2

सचमुच तेजी से बदल रही है अमरावती लेकिन.....

पेज नं.2

जाति धर्म की बजाय विकास का विजन देखें, योग्यता देखें.

पेज नं.3

डॉ.सतीश तिवारी बने श्री सरयूपारिण ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष, समाज में उत्साह

पेज नं. 8

जगदीश गुप्ता की उम्मीदवार होगी महत्वपूर्ण साबित, आज भी अपार लोकप्रिय नेता हैं

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

जिले की राजनीति है संभ्रमवाली

महायुति अमरावती सीट से सुलभा खोड़के को उम्मीदवारी

राणा के खिलाफ बडनेरा से सुनील खराटे ठोंकेंगे खम

महाविकास गठबंधन की सीटों पर अभी भी पूरी बात नहीं बनी

विदर्भ स्वाभिमान,23 अक्तूबर

नई दिल्ली/अमरावती-महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आते ही विभिन्न दलों की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा की जा रही है. राज्य के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी हो गई है. इस लिस्ट में 65 उम्मीदवारों के नाम हैं. लिस्ट में उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे का भी नाम है. आदित्य वर्ली सीट से ताल ठोकेंगे.अमरावती से महायुति की सुलभा खोड़के, कांग्रेस से डॉ. सुनील देशमुख, बडनेरा से शिवसेना के सुनील खराटे को उम्मीदवारी घोषित की गई है. इससे सभी दलों में बगावत के आसार हैं.

बता दें कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार गुट की एनसीपी की लिस्ट पहले ही जारी हो चुकी है. बीजेपी भी अपने 99 प्रत्याशियों के नामों का एलान कर चुकी है.इसी बीच, महाविकास आघाड़ी में सीटों का बंटवारा हो गया है. गठबंधन में शामिल एनसीपी (शरद पवार गुट), उद्धव गुट की शिवसेना और कांग्रेस के बीच बराबर सीटों पर चुनाव लड़ने की सहमति बन गई है. उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीट बंटवारे का एलान किया.उन्होंने बताया कि एमवीए में शामिल तीनों दल कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट), उद्धव गुट की शिवसेना 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे. 18 सीटों पर हम समाजवादी पार्टी सहित अपने गठबंधन दलों से बात करेंगे और कल तक स्थिति साफ हो जाएगी. बची 15 सीटों पर बाद में फैसला किया जाएगा. महाविकास आघाड़ी में 15 सीटों को लेकर अभी भी पेंच कायम है.

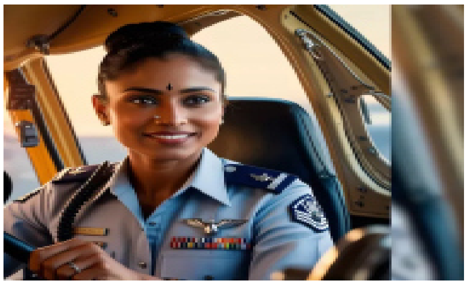

घायल कमांडो जवान की जान बचाने वाली रीना वर्गीज हैं साहसी सेना अधिकारी

नागपुर- रीना वर्गीज अपने शुरूआती दिनों में एक नौसिखिया पायलट थीं. उस दौरान माओवादियों ने महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में फैले 'पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी' मुख्यालय, अबुजमाढ़ के किनारे लाहेरी में सीनियर पुलिस और मतदान अधिकारियों को ले जा रहे एक हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया था. ये बात 2009 की है. तब भी उन्होंने बहादुरी का प्रदर्शन किया था.महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए. मठभेड़ छत्तीसगढ़ के नारायणपुर को सीमा से लगे इलाके में हुई. गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो टीम और सीआरपीएफ की टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया. नक्सली हमले में घायल जवानों को सकुशल बचाने तथा घायलों को ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका कैप्टन रीना वर्गी ज ने निभाया, **शेष पेज 2 पर**

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

सचमुच तेजी से बदल रही है अमरावती लेकिन....

अमरावती शहर को विगत 35 साल की पत्रकारिता में इस दहलीज पर कभी नहीं देखा. मनपा के निकम्मेपन के कारण डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और पीलिया जहां लोगों की जान का दुश्मन बन गया है, वहीं दूसरी ओर पुलिस का खौफ पूरी तरह से खत्म होने से दो सप्ताह में मर्डर का सत्र चल रहा है. अपराधियों की हत्या अपराधी कर रहे हैं लेकिन डर तो जनता को ही भुगतना पड़ रहा है. मामले में विधानसभा चुनाव के चलते नेताओं को जहां फुर्सत नहीं है, कुर्सी से बढ़कर उनके लिए जहां बाकी सब कोई मायने नहीं रख रहा है, वहीं आम जनता महंगाई में इस तरह पिस रही है कि उसे बाकी सोचने समझने के लिए ब्रेन नहीं दिखाई दे रहा है. कुल मिलाकर अमरावती शहर आज जिस तरह से दिखाई दे रहा है, बढ़ते अपराध के कारण माता-पिता में यह डर है कि वे स्वयं अपने बच्चे की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं. मतदान हो जाएगा, 8 लोग विधानसभा में पहुंच जाएंगे और कोई मंत्री बन जाएगा. सवाल यह है कि क़्या इसी तरह के शहर की अपेक्षा बुद्धिजीवियों को है. चुनाव में आज कोई जाति, कोई धर्म, कोई विभाजन वाले मुद्दों पर रोटी सेंकने में लगा है, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, लोगों की सुरक्षा के साथ ही राष्ट्र प्रेम के मुद्दे गायब ही हो रहे हैं. शहर में बढ़तेअपराध ने सभी को चिंतित कर दिया है. प्रशासन की लाचारी का इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि जयस्तंभ, राजकमल चौक से करोड़ों रूपए के उड़ान पुल की सुंदरता तार-तार हो रही है और प्रशासन यहां के पारधियों को हटाने में नाकाम रहा है. उसके लिए व्यापारियों द्वारा पुलिस तथा मनपा से गुहार लगाने के बाद भी कोई फायदा नहीं हो रहा है. करोड़ों रूपए सफाई ठेके पर खर्च हो रहे हैं लेकिन कमीशनखोरी इस हद तक प्रशासन को लाचार कर रही है कि खबरों का संज्ञान नहीं लिया जा रहा है. डेंगू से अभी तक शहर में कई लोगों की मौत हो गई है और बड़ी संख्या में लोग आज भी मलेरिया, टाइफाइड,डेंगू तथा अन्य बीमारियों ने त्रस्त किया है. मौसम भी लोगों को मारने पर तुला हुआ है. सर्दी-खांसी से लेकर अन्य बीमारियां लोगों की जान की दुश्मन बनी है. मनपा क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप फिर बढ़ रहा है. पिछले 15 दिनों में डेंगू से एक और बालक की मौत हुई है. वीएमवी स्थित पाठय पुस्तक मंडल के निकट प्रवीण नगर में रहने वाले 13 वर्षीय अद्वैत कपीले की तबियत पिछले कुछ दिनों से खराब थी. उसे राठी नगर के परिजात हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. जहां उपचार के दौरान रविवार को अद्वैत की मृत्यु हो गई. इसी बीच, अमरावती मनपा क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह में डेंगू के 84 संदिग्ध मरीजों के सैम्पल्स जांचे गए. जिसमें 12 मरीज पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी जिला मलेरिया विभाग ने दी है.अमरावती मनपा क्षेत्र में बढ़ती गंदगी के चलते बीमारियों का प्रकोप बढता जा रहा है.शहर में जिस तरह से कानून का खौफ खत्म हो रहा है, वह निश्चित ही आगामी समय के लिए खतरनाक संकेत है. जिम्मेदार लोगों को कम से कम इस मामले में समुचित भूमिका निभाने का प्रयास क रना चाहिए. नाबालिगों की गैंग शहर की शांति को कब तक तार-तार करती रहेगी और प्रशासन लाचार बना देखता रहेगा, यह सबसे गंभीर विषय है.

ज़ाति,धर्म की बजाय योग्यता देखें

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

इसे देश का सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य जब देश में योग्यता की बजाय जाति,धर्म,पंथ,भाषा को चुनाव में देखा जाता है. किसी भी समाजका व्यक्ति रहे अगर उसके पास विकास का विजन है और लगता है कि सभी को साथ में लेकर चलेगा और लोगों की समस्याओं का निराकरण करेगा तो निश्चित तौर पर वह किसी भी जाति,पंथ का रहे, उसे वोट देकर जिताने के प्रयासों से ही जिले से लेकर राज्य और केन्द्रस्तर पर विकास होगा. कभी जाति, कभी धर्म के नाम पर कब तक वोट देकर गलत लोगों को सत्ता में भेजा जाता रहेगा और पांच साल दर्द होने पर चिल्लाने वाले चुनाव के दौरान इन बातों को भूल जाते हैं. देश में आजादी के बाद से केवल छल की राजनीति हुई है. किसी समाज का छल हुआ है, किसका उपयोग सत्ता प्राप्ती के लिए हुआ है और उन्हें कितना महत्व दिया गया है, यह बताने की जरूरत नहीं है. लेकिन अब जबकि शिक्षा, समझदारी बढ़ी है तो इसका चुनाव के रूप में असर दिखाई देना चाहिए. मतदान करने के लिए सरकार द्वारा सभी सुविधा दी जाती है, छुट्टी दी जाती है लेकिन मतदान का प्रतिशत नहीं बढ़ता है. हमारे यहां भय बिनु प्रीति वाली कहावत चरितार्थ होती है. मतदान नहीं करने वालों का पतालगाकर उन्हें पांच साल तक सुविधाएं देना बंद करने का फैसला सरकार कर ले तो मतदान का प्रतिशत बढ़ जाएगा.

जिले के साथ ही विदर्भ में फिर एक बार मुस्लिम समाज को झटका लगने जैसी स्थिति है. सदैव सत्ता में अपने वोटों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समाज को इस बार भी कथित धर्मनिरपेक्ष दलों ने अमरावती से लेकर पूरे विदर्भ में निराश किया है. इस समाज का उपयोग सदैव किया गया है लेकिन जब उनके हित की बात होती है और चुनाव में उम्मीदवारी की बात होती है तो सभी दलों का रवैया एक सा होता है. लेकिन दुर्भाग्य की इस कौम के लोगों को अपना महत्व कभी समझ में नह ीं आया. अमरावती जिले में विधानसभा चुनाव में जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सवा लाख से अधिक मतदाता किसे वोट दें. वैसे तो राजनीति में नीति खत्म हो गई है. विचारधारा तो केवल भाषणों तक ही सीमित रह गई है. इसका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है. इसीलिए जो कल तक कांग्रेस में थे, वे आज बीजेपी में है और जिनको कल तक बीजेपी से एलर्जी थी, वे स्वयं आज उसके साथ हैं. चुनाव में मतदान के माध्यम से अच्छे लोगों को चुनने का प्रयास करना चाहिए. मतदान का संकल्प स्वयं भी लें और अन्यों को भी मतदान के लिए प्रेरित करना भी राष्ट्रसेवा से कम नहीं है. इस बार अमरावती में शतप्रतिशत मतदान के माध्यम से जिले का नाम रोशन करें.

कैप्टन रीना वर्गीज की सर्वत्र हो रही सराहना

शेष पेज 2 पर -रीना वर्गीज की वजह से ही ये संभव हो सका. उन्होंने समय रहते कमांडो को नक्सलियों से बचा लिया.

रीना वर्गीज अपने शुरुआती दिनों में एक नौसिखिया पायलट थीं. उस दौरान माओवादियों ने महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में फैले 'पीपुल्स लिबरेशन गरिल्ला आर्मी' मख्यालय, अबुजमाढ़ के किनारे लाहेरी में सीनियर पुलिस और मतदान अधिकारियों को ले जा रहे एक हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया था. ये बात 2009 की है. तब भी उन्होंने बहादुरी का प्रदर्शन किया था.महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए. मुठभेड़ छत्तीसगढ़ के नारायणपर की सीमा से लगे इलाके में हुई. गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो टीम और सीआरपीएफ की टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया.गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऑफिस से जारी बयान में कहा कि 20 नवंबर को होने वाले चुनाव के मद्देनजर नक्सलियों का एक समूह पिछले दो दिनों से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर जंगल में इकट्ठा हुआ था और हमले की योजना बना रहा था. जिस इलाके में यह जमावड़ा हो रहा था, वह छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के नक्सल प्रभावित जिले नारायणपुर की सीमा पर है.

महिला पायलट ने किया कमाल

जॉइंट अभियान में कम से कम 2,500 राउंड फायर किए गए, जो गोला-बारूद और पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के पांच लड़ाकों के शव बरामद करने के बाद सूर्यास्त से पहले समाप्त हो गया. मुठभेड़ में एक महिला पायलट ने अभूतपूर्व साहस दिखाया. महिला पायलट ने मुठभेड़ स्थल से कुछ ही फीट ऊपर अपना पवन हंस हेलिकॉप्टर उतारा और एक घायल कमांडो को एयरलिफ्ट किया.गुरिल्ला अपने गढ़ से रॉकेटों की बौछार कर रहे थे. जंगल के बीच उबड़-खाबड़ इलाके में हेलिकॉप्टर उतरने में असमर्थ था. घायल जवान को रस्सी के सहारे नीचे की ओर उड़ते हुए हेलिकॉप्टर में खींचा गया और गढ़चिरौली के रास्ते नागपुर ले जाया गया. जवान का इलाज किया जा रहा था. डॉक्टरों ने बताया कि उसे तीन गोलियां लगी हैं और उसकी हालत गंभीर है.कैप्टन रीना वर्गीज और उनके दल ने सोमवार को पीएलजीए के गढ़ में आठ घंटे की घेराबंदी के दौरान एक घायल सी-60 कमांडो को बचाने के लिए मोर्टार हमले का जोखिम उठाने का जो साहसिक कार्य किया, वह इस अभियान का निर्णायक क्षण था, जिसमें पांच माओवादी मारे गए.सूत्रों ने बताया कि रीना वर्गीज जानती थीं कि चट्टानी, जंगली इलाके में उतरना असंभव था. अपने सह-पायलट को कमान सौंपते हुए, उन्होंने हेलिकॉप्टर से छलांग लगा दी, क्योंकि वह धूल के गुबार के बीच जमीन से 11 फीट ऊपर मंडरा रहा था.यह हेलिकॉप्टर माओवादियों के लिए आसान शिकार था, जिनके पास हवाई हमलों का मुकाबला करने के लिए मानव रहित ड्रोन भी है. लेकिन रीना वर्गीज और चालक दल ने असंभव लगने वाले काम को अंजाम दिया, घायल सी-60 कमांडो को सरक्षित बाहर निकाला, जो तीन गोलियां लगने के बाद तीन घंटे तक खून से लथपथ पड़ा रहा.

एक सूत्र ने कहा, छत्तीसगढ़ के जगदलपुर, सुकमा और चिंतागुफा के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों सहित उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बचाव और निकासी में अपने अनुभव से लाभ उठाते हुए, रीना वर्गीज नें चुनौती का सामना करने में असाधारण क्षमता का प्रदर्शन किया.घायल कमांडो को 30 मिनट के भीतर गढ़चिरौली ले जाया गया, जहाँ से उन्हें नागपुर के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ मंगलवार शाम तक उनकी हालत स्थिर बताई गई.

पायलट बनने की ट्रेनिंग से पहले एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने वाली वस्थी महामारी के दौरान लक्षद्वीप द्वीप समूह से कोविड रोगियों को कोच्चि निकालने के लिए पवन हंस ऑपरेशन का हिस्सा थीं.मठभेड़ रेड कॉरिडोर के छत्तीसगढ़ की ओर अबूझमाड़ के जंगलों में 7 किलोमीटर की दूरी पर हुई. सी-60 और सीआरपीएफ के कमांडो तीन दिन पहले अंदर घसे और माओवादी गढ़ की रक्षा करने वाले गरिल्लाओं और उनके शीर्ष कमांडरों से भिड़ने से पहले चुपचाप इलाके में बारूदी सुरंगों की तलाशी ली. महिला कैप्टन द्वारा दिखाई गई सतर्कता के कारण

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

श्री सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष बने डॉ. सतीश तिवारी

विदर्भ स्वाभिमान, 30 अक्तूबर

अमरावती - ब्राह्मण समाज की एकता के साथ ही सरयूपारिण ब्राह्णों को एकजुट करने के लिए लगातार प्रयासरत रहने वाले श्री सरयूपारिण ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष के रूप में सुख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश तिवारी का आमसहमति से चयन किया गया है. उनके साथ ही अन्य कई पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौं पी गई है. समाज के लिए समर्पण करने वाले तथा स्वास्थ्य कारणों से अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देने वाले मुकेश तिवारी का मौके पर सत्कार किया गया. साथ ही उन्हों ने समाज के सदैव साथ देने तथा मार्गदर्शन करने का भरोसा दिलाया.

अमरावती शहर निवासी ब्रह्मण समाजबंधुओं का प्रतिनिधित्व करने वाली श्री सरयूपारीण ब्रह्मण सभा के अध्यक्ष पद पर आज सभा की विशेष बैठक में शहर के ख्यातनाम बालरोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश तिवारी की नियुक्ति करने के साथ ही उन्हें अध्यक्ष पद का जिम्मा सौंपा गया. इस अवसर पर सरयूपारिण ब्रह्मण समाजबंधुओं द्वारा अपने नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सतीश तिवारी का शाल-श्रीफल व पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया. साथ ही इस समय सभा के निवर्तमान अध्यक्ष मुकेश तिवारी का भी सभा एवं समाज के प्रति समर्पित भाव से किये गये कार्यों हेतु समाजबंधुओं द्वारा सम्मान किया गया.

बता दें कि, श्री सरयूपारीण ब्रह्मण सभा के अध्यक्ष मुकेश तिवारी द्वारा विगत दिनों अपने स्वास्थ्य एवं कुछ व्यक्तिगत व पारिवारिक कारणों के चलते अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था. जिसके उपरान्त इस स्थिति पर विचार-विमर्श करने हेतु श्री सरयूपारीण ब्रह्मण सभा की विशेष बैठक सभा के संरक्षक शारदाप्रसाद तिवारी के चैतन्य कॉलोनी स्थित निवासस्थान पर बुलाई गई, जिसमें निवर्तमान अध्यक्ष मुकेश तिवारी द्वारा अपने त्यागपत्र में उठाये गये मुद्दों को ध्यान में रखते हुए उनके त्यागपत्र को स्वीकार करने का निर्णय लिया गया और अपने अध्यक्षीय कार्यकाल के दौरान मुकेश तिवारी द्वारा सभा व समाज के प्रति समर्पित भाव से किये गये कार्यों के लिए बैठक में उपस्थित समाजबंधुओं ने उनके प्रति आभार ज्ञापित करने के साथ ही उनका भावपूर्ण सम्मान किया. इसके उपरांत बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों व सदस्यों ने नये अध्यक्ष की नियुक्ति पर विचार विमर्श करते हुए सभा के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य एवं शहर के ख्यातनाम बालरोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश तिवारी के नाम पर अध्यक्ष पद हेतु आम सहमति दर्शायी. जिसके चलते डॉ. सतीश तिवारी को अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही उन्हें इसी बैठक में अध्यक्ष पद का पदभार सौंपा गया. इसके साथ ही इस बैठक में कार्याध्यक्ष पद पर आनंद मिश्रा व उपध्यक्ष पद पर स्पेश तिवारी का भी चयन किया गया. जिसके उपरान्त तीनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए उन्हें उनके कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी गई.

स्वास्थ्य कारणों से मुकेश तिवारी का इस्तीफा, समर्पण के लिए सत्कार

सभा के संरक्षक शारदाप्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष मुकेश तिवारी, नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. सतीश तिवारी, कार्याध्यक्ष आनंद मिश्रा, उपाध्यक्ष स्पेश तिवारी, सचिव डॉ. मनीष दुबे, कोषाध्यक्ष राजेश्वरदत्त तिवारी, सहसचिव राजेंद्रप्रसाद पाण्डेय, कार्यकारिणी सदस्य जगदीश दुबे व शैलेंद्र मिश्रा तथा युवा अध्यक्ष अमित तिवारी आदि की उपस्थिति रही.डॉ.सतीश तिवारी ने समाज की एकता के साथ ही सभी को लेकर चलने और समाज की प्रगति की दिशा में हरसंभव प्रयास करने का अभिवचन दिया.

निष्ठा,अच्छाई कभी भी बेकार नहीं जाती,फल मिलता है

शिवसेना के दबंग नेता प्रवीण हरमकर ने कहा

विदर्भ स्वाभिमान, 30 अक्तूबर

अमरावती - ज़ीवन में आप जिस भी क्षेत्र में हैं, अगर ईमानदारी, निष्ठा से कार्य करते हैं तो निश्चित तौर पर देर हो सकती है लेकिन उसका फल मिलता है. लेकिन जो लोग अपना जमीर पैसे के लिए बेच देते हैं, वह कभी सीना तानकर खड़े नहीं रह सकते हैं. जनता के लिए वर्षों से संघर्ष करते समय यही अनुभव आया है. कार्यकर्ताओं का प्यार, पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे का आशिर्वाद सदैव मुझे मिला है. इसलिए जब तक जिंदगी है जनता तथा कार्यकर्ताओं के लिए सदैव कार्य करने का प्रयास करूंगा. इस आशय का स्पष्ट मत शिवसेना के लोकप्रिय तथा दबंग नेता प्रवीण हरमकर ने कही. उनके जन्मदिन पर सर्वप्रथम विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलमय शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

साक्षात्कार

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि नगर सेवक, मनपा में विपक्षी नेता के रूप में उन्हों ने सदैव जनता की समस्याओं का निराकरण करने और समय पड़ने पर प्रशासन से भी टकराने में पीछे नहीं हटे. जिला अस्पताल में सीएस को घेरने तथा कई घंटे तक बंधक बनाने के चलते पूरे राज्य में चर्चित रहे. उन्होंने कहा कि पार्टी निष्ठा उनके लिए सदैव सर्वोपरि रही है. पार्टी द्वारा जिन्हें उम्मीदवारी दी गई है, उन प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरा दमखम लगा देंगे.मनपा की लापरवाही के कारण शहर में सर्वत्र गंदगी से लोगों की जान जा रही है, वहीं कानून व्यवस्था तार-तार हो गई है. दो सप्ताह में 7 हत्याएं शहर का नाम बदनाम कर रही हैं. इस पर आक्रामक प्रवीण हरमकर के मुताबिक नेतृत्व के साथ ही प्रशासन पंगु होने का यह उदाहरण है. पार्टी निष्ठा को जीवन में सबसे महत्वपूर्ण मानने वाले प्रवीण हरमकर जब किसी जनसमस्या को लेकर आंदोलन की चेतावनी देते हैं तो प्रशासन हिल जाता है. वे कहते हैं कि जब जमीर में दम रहता है तभी कोई नेता इस तरह की हिम्मत करता है. उनके मुताबिक बालासाहब ठाकरे उनके आदर्श हैं. उनके विचारों को ही जीवन में अपनाते हैं.गुरूवार को उनके जन्मदिन पर हजारों लोगों ने शुभकामनाएं दी. साथ ही स्वस्थ तथा मस्त रहने की कामना की.

शिवसेना के दबंग नेता प्रवीण हरमकर को जन्मदिन शुभकामनाएं

शुभेच्छुक- हजारों शिवसैनिक तथा
विदर्भ स्वाभिमान परिवार

अनिल अग्रवाल अध्यक्ष, विजय तलड़ा बने सचिव

अमरावती प्रॉपर्टी डेवलपर्स ॲन्ड ब्रेकर्स एसोसिएशन का हुआ गठन

उपाध्यक्ष पद पर गोपाल पनपालीया, मनोज भेंडे, आकाश मालू, सुधीर वाकोडे और कैलास गिरोडकर,पूरणसेठ हबलानी सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष चुने गए, उमड़ी रिकार्ड 1278 की भीड़

विदर्भ स्वाभिमान,23 अक्तूबर

अमरावती - अमरावती महानगर के विस्तार व विकास सहित शहर के सौंदर्यीकरण में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाले भूविकासको यानी लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रोकर्स द्वारा आपसी एकजुटता दिखाते हुए आज अमरावती लैंड डेवलपर्स अ ॅन्ड प्रॉपर्टी ब्रेकर्स एसोसिएशन का गठन किया गया. इस हेतु स्थानीय कैंप परिसर स्थित होटल ग्रैंड महफिल इन के रुबी हॉल में संगठन का पहला सम्मेलन आयोजित किया गया था. यह अभूतपूर्व रहा. अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि संगठन के माध्यम से विभिन्न सरकारी कार्यालयों से होने वाली दिक्कतों को हल करने के साथ ही अन्य समस्याओं को हल करने का प्रयास संगठन के माध्यम से किया जाएगा.

जिसमें सर्वसम्मति के साथ संगठन की कार्यकारिणी का गठन किया गया. जिसके तहत पत्रकारिता के साथ ही रियल इस्टेट व्यवसाय के क्षेत्र में सक्रिय रहनेवाले दैनिक

अमरावती मंडल व दैनिक मातृभूमि के संपादक अनिल अग्रवाल को सभी लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रेकर्स द्वारा सर्वसम्मति के साथ अध्यक्ष चुना गया. इसके साथ ही विजय तलडा को सचिव व पूरण हबलानी को कोषाध्यक्ष चुना गया. साथ ही साथ संगठन के पांच उपाध्यक्ष पदो पर गोपाल पनपालीया, मनोज भेंडे, आकाश मालू, सुधीर वाकोडे और कैलास गिरोडकर की नियुक्ति की गई.

बता दे कि अपने बुद्धि चातुर्य व व्यवसाय कौशल्य के दम पर और अपनी ही जेब से लाखो रुपयो का निवेश करते हुए रियल इस्टेट के व्यवसाय में कार्यरत रहनेवाले लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रेकर्स अब तक पूरी तरह से असंगठित रहकर काम कर रहे थे. जिसके चलते उन्हें कई वक्त सरकारी व प्रशासनिक नीतियों की वजह से अन्याय का शिकार भी होना पडता था. जिसके चलते कामकाज में दिक्कत आने के साथ ही कई बार व्यापार- व्यवसाय में घाटा भी उठाना पडता था. इस बात को ध्यान में रखते हुए अमरावती महानगर क्षेत्र के कुछ लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रेकर्स द्वारा एक सशक्त मंच तैयार करने के बारे में विचार विमर्श किया गया और कई दौर की बैठको के बाद अमरावती लैंड डेवलपर्स अ ॅन्ड प्रॉपर्टी ब्रेकर्स एसोसिएशन का गठन करने की रुपरेखा तय की गई और आज रविवार 20 अक्तूबर को होटल ग्रैंड महफिल के रुबी इन हॉल में संगठन के पहले विशाल सम्मेलन का आयोजन करने के साथ ही शहर के सभी लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रेकर्स को आमंत्रित किया गया. विशेष बात यह रही कि इस आमंत्रण को अमरावती महानगर क्षेत्र में सक्रिय रहनेवाले लैंड डेवलपर्स व प्रॅपर्टी ब्रेकर्स की ओर से शानदार प्रतिसाद मिला और रुबी हॉल में आयोजित संगठन के पहले सम्मेलन में करीब एक हजार के आसपास लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रेकर्स व्यवसायियो की उपस्थिति रही.अमरावती लैंड डेवलपर्स **शेष पेज 5 पर**

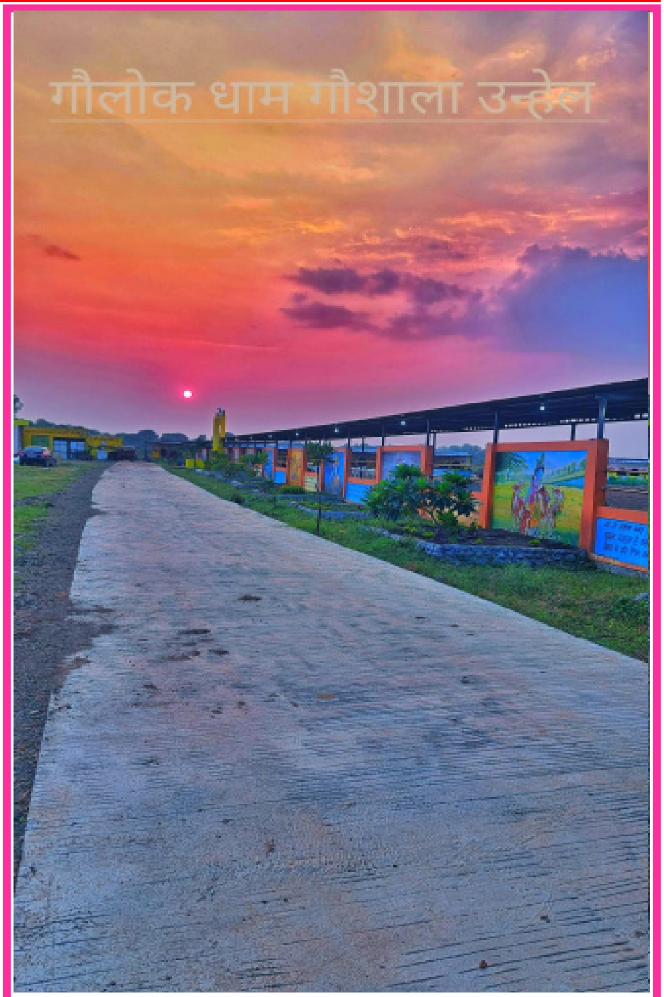

महाकाल के उज्जैन जिले के उन्हेल स्थित गोलोक धाम गौशाला का शाम का यह मोहक नजारा किसी को भी प्रभावित कर सकता है. इसके संचालक सुख्यात कथा प्रवक्ता पूज्य शिव गुरू महाराज हैं. जहां घायल सैकड़ों गौमाता पर उपचार किया जाता है. यहां पर 400 से अधिक गौमाता पर उपचार किया जाता है.

अनिल अग्रवाल अध्यक्ष, विजय तलड़ा बने सचिव

पेज 4 से जारी अॅन्ड प्रॉपर्टी ब्रेकर्स एसोसिएशन के इस प्रथम सम्मेलन के प्रारंभ में अमरावती के सभी लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रेकर्स व्यवसायियों द्वारा रियल इस्टेट सेक्टर को नया आयाम देनेवाले दिवंगत प्रवीण मालू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उनकी स्मृतियों का विनम्र अभिवादन किया गया. जिसके उपरांत लैंड डेवलपर व प्रॉपर्टी ब्रेकर एसो. के गठन की संकल्पना पर विगत कुछ माह से लगातार काम कर रहे गणमान्यो को मंच पर आमंत्रित किया गया. जिसके उपरांत इस सम्मेलन की प्रस्तावना रखते हुए मनोज भेंडे ने इस संगठन की आवश्यकता व महत्व को लेकर अपने विचार रखे और संगठन की प्रथम कार्यकारिणी के पदाधिकारियों हेतु चयनीत नामो को उपस्थितो के समक्ष रखते हुए इन नामो पर उपस्थितो की राय मांगी. इस समय सभागार में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति ने संगठन की ओर से प्रस्तावित की गई कार्यकारिणी को अपनी सहमति दी. जिसके चलते इस कार्यकारिणी का चयन सर्वसम्मति से किया गया. जिसके तहत अध्यक्ष पद पर अनिल अग्रवाल, सचिव पद पर विजय तलडा, कोषाध्यक्ष पद पर पूरण हबलानी, उपाध्यक्ष पद पर गोपाल पनपालीया, मनोज भेंडे, आकाश मालू, सुधीर वाकोडे और कैलास गिरोडकर का र्वसम्मति से चयन करने के साथ ही सहसचिव पद पर रामेश्वर गग्गड, संरक्षक पद पर सुभाष तलडा और हारूणभाई सुपारीवाले का चयन किया गया. साथ ही कार्यकारिणी सदस्यो के तौर पर कैलास पाडलकर, बब्बू मोतीवाला, योगेश सवई, श्याम बख्तार, अरूण कालबांडे, रामचंद्र गुप्ता, विनोद राठी, किशोर भयार, डॉ. नासीर टिक्की, अमित साहू, जीतू मोटवानी, नवीन चोरडीया, शरद दादलानी, प्रवीण अलसपुरे, ज्ञानेश्वर हिवसे और किशोर देशमुख का चयन किया गया. जिसके उपरांत सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का एसोसिएशन की ओर से विनोद राठी, प्रशांत पनपालीया, कैलास पाडलकर, बब्बू मोतीवाला, योगेश सवई, अरूण कालबांडे, जीतू मोटवानी, अमित साहू और रामचंद्र गुप्ता ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया.

इसके उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल अग्रवाल सहित संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपने समयोचित विचार व्यक्त करते हुए लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रेकर्स व्यवसायियों की एकजुटता पर बल देते हुए इस व्यवसाय से जुडे हुए अपने अनुभवो का कथन किया. जिसके तहत अधिकांश का कहना रहा कि उन्होंने किसी जमाने में बेहद छोटे स्तर से इस व्यवसाय के क्षेत्र में कदम रखा था और आज इतने वर्षो के दौरान उन्होंने इस व्यवसाय के जरिए ही अपने जीवन में तमाम तरह की सफलताएं हासिल करने के साथ ही अपने सभी सपनो को पूरा किया. साथ ही साथ उनके परिवार की अगली पीढ़ी भी आज इस व्यवसाय के क्षेत्र में ही शामिल है और नई पीढ़ी के सदस्य भी इस व्यवसाय में काफी अच्छा काम कर रहे है.

कार्यक्रम में संचालन व आभार प्रदर्शन शैलेश शिरभाते ने किया. यह कार्यक्रम जारी रहने के दौरान ही एक प्रॉपर्टी ब्रेकर व्यवसायी का निधन का समाचार प्राप्त हुआ. जिसके चलते कार्यक्रम दौरान दो मिनट का मौन रखते हुए दिवंगत प्रॉपर्टी ब्रेकर व्यवसायी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. साथ ही कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगीत का गायन करते हुए इस आयोजन का समापन किया गया. जिसके उपरांत सभी लैंड डेवलपर्स व प्रॉपर्टी ब्रेकर्स व्यवसायियों ने साथ मिलकर स्नेह भोज का आनंद लिया.

इस अवसर पर अमरावती महानगर क्षेत्र में लैंड डेवलपर व प्रॉपर्टी ब्रेकर के तौर पर काम करनेवाले अमित साहू, गोकुल गग्गड, अरूण कालबांडे, शैलेश शिरभाते, मेमदास किसन चव्हाण, नितीन बालासाहेब ठाकरे, अमीत मोतीवाला, ज्ञानेश्वर हिवसे,संजय खंडेलवाल, राहूल बानवकोडे, अजय इंगोले, कैलाश गिरल्लकर, कैलाश पाडालकर, धनंजय रहाटे, महेश यादव, नितिन देशमुख, मयुर जिरापुरे, शंकरराव लसनकार, तुकाराम सारवे, विनोद राठी, योगेश लोंदे, मालवे बिल्डर्स, गंगाधर राउत, नईम सुभेदार, शुभम पुरी, सागर बनकर, विशाल राठी, नारायण नेरकर, व्यंकटेश नेरकर, आशिष राठी, अंकुश कोराट, रामभाऊ थोराट, सतीश बिजवे, गजेन्द्र काले, धनराज खत्री,निलेश राऊत, सतीश खरबडे, आशिष भोपले, चंद्रशेखर दारोकर, राजेश माहोरे, अंकुश अलसड, प्रशांत पनपालिया, विजय गांजरे, गौरव पनपालिया, मनोज साबु, गणेश सगणे, निलेश चिठोरे, रवी पंजापी, रामचंद्र गुप्ता, मनोज नावंदर, महेश चाटे, संदीप चौधरी, संज पवार, योगेश सवई, जितु सेठीया, नितीन जाधव, हरदीप सिंग, गिरीष सातपुते, अमोल गुल्हाणे, विजय तायवाडे, ऋषीकेश कालबांडे, नितीन खंडारकर, विजय खंडेलवाल, प्रमोद मेश्राम, गणेश काशीकर, किशोर देशमुख, संजय खांडे, कैलाश जयसिंगपुरे, दिलीप वडुरकर, रौनक राठी, सतीश अडगुलवार, बंडु दाभणे, समीर भिवापुरे, निलेश भेटालु, कुणाल वाटाणे, राहूल अग्रवाल, राहूल पाटील, मनिष खोंडे, सागर सगणे, जयंत छट्लानी, अफसर भाई, राकेश नारायनदास सिसोदिया, नितिन बावणे, राहूल मोहोड, विनोद लोमटे, संदीप तलडा, पवन चव्हाले, अनुप मलापाणी, सत्यजीत सिंह राठोड, संजीव हिंगणेकर, सुनिल खोडे, दिनेश पोहने, मक्रंद नांदरकर, माधव राऊत, रवीन्द्र कालबांडे, शेख इरफान, योगेश केवतकर, संजय मुणोत, प्रशिक इंगले, मनोहर जवंजाल, तौसीफ खान, राजकुमार अग्रवाल, नंदराज मुन्नायादव, शरद दादलानी, गौरव तिवारी, अजय आहूजा, प्रशांत याहूल, मेहूल गगलानी, संतोष पलसपगार, अर्जुन पाटील, प्रवीण अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, नरेन्द्र कडू, राजेश भडक, विजय जाधव, गजानन गेडाम, अजय ठाकरे, विवेक छाबडा, दिनेश हरवाणी, साहील केवलरमानी, प्रदीप मधुकरराव भिवरकर, अमोल गिरी, कैलास साहू, धमेन्द्र खंडारे, रवि सातारकर, संगदीप घुगरे, दामोधर काले, अशोक मोतीवाले, लक्ष्मीकांत बागडी, देवकांत मिश्रा, प्रदीप ढोणे, नरेश बोधाणी, नितीन मानकर, अशोक अग्रवाल, प्रमोद गवली, प्रफुल्ल धोटे, सुधीर जावरकर, सचिन पाटील, दिनेश पांडे, सुभाष खडसे, अक्षय ठाकरे, शब्बीर शाह, पंकज हादवे, कैलास चंद्रे, नीरज खेरडे, प्रकाश दौलतरामजी मनोजा, सचिन भुसारी, नरेन्द्र जोशी, प्रकाश भुतडा, अशोक भट्टड, प्रकाश तनवानी, रक्शीम बिल्डर्स प्रा. लि., सुरेश उमक, दिपक लोखंडे बिल्डर्स, श्रीनिवास वी. टवाणी, उज्वल सुरेशराव सावरकर, निशांत एन.सिंघल, अशोक के.एस. खंडेलवाल, राजेन्द्र पी. कलनखाडे, रोशन जालानी, ए.पी. बोंडे, बी.आर. बिजवे, आर.एस. पाघरे, जी.एस. मोटवानी, रूपेश गुप्ता, अंकुश पकडे, विवेक खतबडे, अमोल गोंगे, संजय वा. ठाकरे, अनिल उर्फ अन्नु शर्मा, कृष्णा काले, किरण सावदे, सुरेश इंगोले, रोशन सरदार, प्रविण अ. कदम, राहूल दादलानी, दिपक श्रृंगारे, अनिल शर्मा, संजय एच. आठवले, संजय अग्रवाल, विनोद यावले, अश्विन डेंबला, रविन्द्र जोंदलेकर, दीपक जोशी, बालु डुकरे, सागर सुभाष नागरेचा, शमनलाजी खत्री, नरेश तिवारी, गोपाल कृष्ण राठी, सरिम उमप, प्रदीप देशेकर, जय खरात, सुधीर चोचनकर, गोविंद गुप्ता, राजेश जयस्वाल, नितिन रोडे, ऋषीकेश वानखडे, सुधीर बिजागरे, कृष्णा झंवर, गोविंद जोशी, अनिल केवलरामानी, देवेष भांगडीया, प्रभाकर आप्पा, जगदीश डाहाके, अंकीत जवंजाल, राजकुमार कडू, आशिष इंगले, अरविंद जगताप, अतुलसिंह राजपूत, गोपाल छत्तानी, आशिष छत्तानी, सचिन ढगे, पंकज निंबालकर, राहूल देशमुख, अंकलेष गरबानी, कृष्णकांत ठाकरे, प्रकाश सोनोने, नंदकिशोर करवाडे, प्रा. विजय चव्हाण, विलास राठोड, दिनेश जवले, अजिंक्य खरड, महेन्द्र मेहता, गजानन बोराले, राजेश खत्री, उज्वल कालमेघ, शाम देशमुख, निलेश बाबाराव आडे, दिनेश बोंडे, पवन वानखडे, अंकुश टेंभरे, हर्षीत मच्चीगट, श्रीकांत धानोरेकर, अरूण पुंड, अशोक सितारामजी यादव, मंगेश उके, राजेन्द्र तेलखेडे, आशिष धमाले, सचिन ठाकरे, दिनेश दिवाण, संजय वानखडे, अजय सोजराणी उपस्थित थे.

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, जलव्यवस्थापन विभाग,अमरावती

Email ID:- eemjpdivamt@gmail.com

Phone no. 0721-2550538

ई-निविदा सूचना क्रमांक 40 सन 2024-2025

कामाचे नाव-:- अमरावती पाणी पुरवठा योजना (देखभाल व दुरूस्ती) अंतर्गत सिंभोरा हेडवर्क्स येथे वार्षिक देखभाल व दुरूस्ती करीता विद्युत अभियंता, पंप चालक, वीजतंत्री, हेल्पर व मजदूरची सेवा पुरविणे बाबतचे एका कामाची निविदा मजीप्रा जलव्यवस्थापन विभाग अमरावती यांचे कडून बी-1 पद्धतीने मागविण्यात येत आहे. कामा संबंधीचा सविस्तर तपशील दिनांक 14-10-2024 ला 16.00 वाजे पासून विभागीय कार्यालयाचा नोटिस बोर्ड व महाराष्ट्र शासनाच्या ई-टेंडर संकेतस्थळ **https:// mahaeenders.gov.in/nicgep/app** वर उपलब्ध राहील.

विवेक सोळंके
कार्यकारी अभियंता
मजीप्रा, जलव्यवस्थापन विभाग,अमरावती

अम/जाहि./688/2024-2025

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

बहुगुणी,उच्चशिक्षित व्यक्तित्व हैं शंकरराव श्रीराव

क़ई किताबों के हैं लेखक, हव्याप्रमंडल के सचिव सहित दर्जनभर से अधिक पदों पर किया कार्य, दो दर्जन से अधिक पुरस्कार भी

विदर्भ स्वाभिमान,23 अक्तूबर

अमरावती- जीवन में गरीबी,संघर्ष ही व्यक्ति को सब कुछ सिखा देते हैं. वे जो सिखाते हैं, जीवन में वह सबसे अनुभवी होते हैं. इस आशय का स्पष्ट मत शून्य से संसार बनाने वाले बहुगुणी व्यक्तित्व और उच्च विद्याविभूषित शंकरराव मारोतराव श्रीराव ने किया. उम्र तब तक हम पर भारी नहीं हो सकती है जब तक हम उम्र को महत्व नहीं देते हैं. आज भी उनकी सक्रियता युवाओं को भी शर्मसार करने वाली है. उनके चेहरे का तेज और आज भी सदैव स्वयं को व्यस्त रहने वाली मानसिकता निश्चित तौर पर सभी को प्रभावित करती है. मिलनसार स्वभाव के साथ दिल के साफ व्यक्ति शंकरराव श्रीराव का कहना है कि मानवता की सेवा के साथ ही सदैव व्यस्त रहने वाला ही सुखी रहता है. ज़ीवन में सब कुछ मिलने के बाद भी सफलता नहीं प्राप्त कर सकने वाले करोड़ों की भीड़ में कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनके जीवन में तमाम बाधाएं आने के बाद भी कभी इनसे नहीं हारते हैं. बल्कि अपनी मेहनत और लगन से रास्ता मोड़ देते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं उच्च विद्याविभूषित, राज्य से लेकर अंतर्राष्ट्रीय कई पुरस्कार प्राप्त करने वाले शंकरराव मारोतराव श्रीराव. आमतौर पर सफलता के बाद आदमी में अहंकार आता ही है. लेकिन आज भी जमीन से जुड़े हैं. उम्र के 80 साल में भी चेहरे की चमक उनके व्यक्तित्व को बताने के लिए काफी है.

जीवन में जहां प्रयासों को सफलता की सीढ़ी मानते हैं, वहीं दूसरी ओर प्रारब्ध को भी महत्व देते हैं. प्रयासों को प्रारब्ध का साथ मिलने से सफलता निश्चित रहने की बात कही. सही दिशा में प्रयास को सफलता की कुंजी मानते हैं. प्रयास और प्रारब्ध का गहन अनुभव जगविख्यात श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले श्रीराव ने किया है. जिले के पूर्णानगर में 5 अक्तूबर 1945 को उनका जन्म हुआ. पश्चात पिता का अमरावती में आगमन हुआ. 5 साल की उम्र में पिता का साया हट गया. वे प्राइवेट कंपनी में पैसेंजर गाड़ी के चालक थे. मां का भी प्रेम नहीं मिल पाया. प्राथमिक शिक्षा बुधवारा क़े मनपा शाला में हुई. माध्यमिक शिक्षा के बाद तंत्रशिक्षा में दिलचस्पी रहने के बाद भी आर्थिक कमजोरी बाधा बनी. नमूना में संयुक्त परिवार का घर था. घर की स्थिति को ध्यान में रखते हुए तिवसा के देवरावदादा माध्यमिक शाला में शिक्षक के रूप में जीवन शुरू हुआ. पढ़ाई की ललक थी. मेहनत से बीएस्सी गणित तथा बीएड की डिग्री प्राप्त की. आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने के बाद भी केन्द्र सरकार की छात्रवृत्ति के कारण उनकी शिक्षा हुई. आज वे उच्च विद्याविभूषित एमएससी, एम.एड. तथा एम.फिल की डिग्री है. राज्य के विशेष शिक्षक से लेकर उल्लेखनीय समाजसेवा तथा शिक्षा सेवा के लिए दो दर्जन से अधिक पुरस्कार उन्होंने प्राप्त किया है.

विदर्भ स्वाभिमान

जीवन में हम कितने भी ऊंचाई पर जाएं, माता-पिता और जिन्होंने सदैव साथ दिया है, उन्हें नहीं भूलना चाहिए. स्वभाव, सम्मान और प्रेम देने पर यह सदैव बढ़करमिलते हैं. जो इसका महत्व समझ जाता है, जीवन में उसे कभी किसी से निराश नहीं होना पड़ता है. इसे आजमाएं- शंकरराव श्रीराव

श्री हव्याप्रमं में प्रवेश

उच्च शिक्षा के बाद आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार होना शुरू हुआ. जगविख्यात श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के शिक्षा महाविद्यालय में बतौर प्राध्यापक सेवारत हुए. उसी साल सुशील, सुंदर युवती से विवाह हुआ. एक साथ के बाद पुत्र तथा पश्चात एक पुत्र की प्राप्ती होने के साथ ही जिम्मेदारी भी बढ़ती गई. नौकरी पर लगने के बाद भी पढ़ाई जारी रही और एमएस्सी गणति के साथ एम.फिल की शिक्षा प्राप्त की. उनकी ईमानदारी, कर्मठता और काम के प्रति समर्पण को देखते हुए हव्याप्रमं में पहले कार्यालयीन सचिव तथा इसमें बेहतर काम करने के बाद संस्था के सचिव के रूप में बेहतरीन काम किया. पद्मीश्र प्रभाकरराव वैद्य को आदर्श व्यक्तित्व मानने वाले श्रीराव के मुताबिक पश्चात उन पर संस्था ने शालेय शिक्षा के संचालक की जिम्मेदारी डाली. 1980 से लेकर 2010 तक वे इस पद पर रहे. शिक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में काम करते हुए 2005 में सेवानिवृत्त हुए. कई किताबों के वे जहां लेखकहैं, वहीं पाठ्यपुस्तक में भी उनकी किताबें शामिल हैं. सेवानिवृत्त होने के बाद भी संस्था द्वारा 10 साल तक सेवा का मौका दिया गया. 70 साल की सेवा के दौरान राज्य के विशेष शिक्षक पुरस्कार के साथ प्रतिष्ठित 20 से अधिक पुरस्कार उन्हें मिले हैं. राज्य,राष्ट्रीय ही नहीं तो अंतर्राष्ट्रीय उन्होंने प्राप्त किया है. आदर्श पति के रूप में पत्नी को उच्च शिक्षा दिलाने के साथ उन्होंने भी शिक्षिका के रूप में कार्य किया. शिक्षा शास्त्र में एमफिल के साथ एम.एड. किया. दोनों बेटे भी उच्च शिक्षित हैं. प्रवीण श्रीराव साफ्टवेयर कंपनी का मालिक है. बेटा नितिन भी अभियांत्रिकी महाविद्यालय में एमसीए विभाग के संचालक के रूप में परिवार तथा समाज का नाम रोशन कर रहा है. बेटे की बेटी भी मेधावी छात्रा है और शिक्षा में मेरिट आती रही है. 9 सदस्यों वाला परिवार खुशहाल है. दोनों बच्चे बाहर रहने के बाद भी दीपावली के दौरान पूरा परिवार एकजुट होता है.

जीवन के संघर्ष से लेकर कामयाबी की आसमानी उंचाई के बाद भी उनकी सादगी सराहनीय है. जीवन के अनुभवों का विवरण आत्मचरित्र के रूप में तैयार है. यह प्रकाशित होने के बाद लाखों युवाओं को प्रेरणा देने का विश्वास उन्हें है. उम्र के 80 साल पूरा करने वाले श्रीराव को ज़न्मदिन की दिन हजारों लोगों ने शुभकामनाएं दी. उनके मुताबिक बड़े-बड़े लोगों के साथ उन्हें काम करने का मौका मिला और सदैव जीवन में सीखने का मौका मिला है. आदर्श पत्नी तथा दोनों बेटे भी समझदार हैं.

ख़ुद का मूल्यांकन करें

जीवन में जो लोग स्वयं का मूल्यांकन करते हैं, वे कभी फेल नहीं होते हैं. हर व्यक्ति की कुछ खूबी होती है, जो उसे सदैव भीड़ में भी अपना स्वयं का स्थान दिलाता है. लेकिन जो लोग जीवन में दूसरे को छोटा समझते हैं, वे कभी संतुष्ट नहीं हो पाते हैं. जीवन में माता-पिता के जैसा त्यागी नहीं हो सकता है. हालांकि आज के दौर में कुछ अपवाद हो सकता है. लेकिन फिर भी माता-पिता का त्याग कभी नहीं भूलना चाहिए. जीवन क्षणभंगुर है, इस पर धन-दौलत अथवा सुंदरता का गुरूर कभी नहीं करना चाहिए.

विपरीत स्थितियों से जूझते हुए उच्च शिक्षा तथा 20 से अधिक पुरस्कार प्राप्त करने वाले, परिवार को संवारने वाले,मेहनत को ही सफलता का राज मानने वाले, हम सभी के चहेते

प्रा.शंकरराव मारोतराव श्रीराव

के जन्मदिन तथा तमाम उपलब्धियों को हमारा नमन. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान, प्राचार्य संजय शिरभाते तथा परिवार,अमरावती.

मेष
इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. वाहन से सावधानी बरतने के साथ काम पर ध्यान देना लाभदायी होगा.

वृषभ
भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी.

मिथुन
अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क
दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ
समझदारी के साथ जिद करने से बचें. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन
दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है. समय पर फैसला होगा लाभकारी.

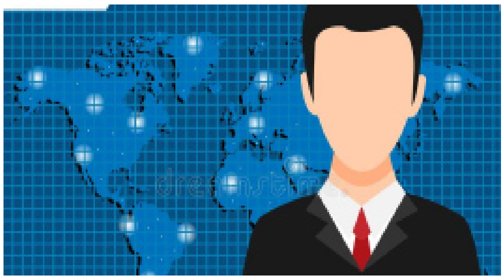

संवाददाता/मार्केटिंग एक्जक्यूटिव चाहिए

आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान को जिले में सर्वत्र संवाददाता तथा मार्केटिंग के लिए मेहनती और समर्पित युवक-युवती चाहिए. अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता
विदर्भ स्वाभिमान
छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

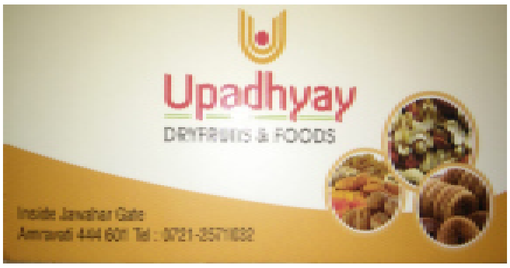

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

लोगों के प्यार से बढ़कर दूसरा कोई पद हो ही नहीं सकता-नानकराम नेभनानी

शहरवासियों का प्यार ही मेरे लिए सभी बड़ी उपलब्धि है, यह सबसे बड़ी सौगात

विदर्भ स्वाभिमान,23 अक्तूबर

अमरावती - जीवन में पद का भले ही महत्व हो लेकिन लोगों का प्रेम अनमोल होता है. मै सौभाग्यशाली हूं कि अमरावती ने सदैव मुझे सम्मान और प्यार दिया है. जीवन में मुझे बिना किसी पद के ही लोगों का अपार प्रेम मिला है. जीवन में सदैव नेक सोच के साथ काम करता हूं. फल की बगैर इच्छा किए जो काम किया जाता है, वह सफलता जरूर प्राप्त करता है. राजनीति को मैने सदैव सेवा का माध्यम बनाया है. इस आशय का प्रतिपादन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अत्याधिक करीबी और सुख्यात समाजसेवी नानकराम नेभनानी ने किया है. शहर में गरीबों के लिए सदैव प्रयास करने वाले और सर्वधर्म समभाव को महत्व देने वाले सिंधी समाजके साथ ही सभी समाज के चहेते हैं.

शिवसेना के एकनिष्ठ तथा जुझारू नेता के रूप में नानकराम नेभनानी को पहचाना जाता है. उन्होंने जहां पार्टी की मजबूती में स्वयं को झोंक दिया है, वहीं पार्टी से बिना चाहत रखे केवल और केवल पार्टी मजबूती के लिए सदैव प्रयासरत हैं. किसानों की समस्या हो, लोगों की समस्या हो, वे सदैव जूझने के लिए तैयार रहते हैं. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने के चलते ही मुख्यमंत्री शिंदे के साथ उनके करीबी संबंध के साथ हर पार्टी के नेताओं से उनके पारिवारिक संबंध हैं. पार्टी के महत्वपूर्ण नेता हैं. मुताबिक पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया, उसके मद्देनजर वे पार्टी के लिए सदैव प्रयास करते हैं. जिला विकास समिति के साथ ही कई समितियों पर जहां वे

सक्रिय हैं, वहीं पार्टी मजबूती के लिए सदैव प्रयासरत हैं. पार्टी के कार्यकर्ताओं को जहां वे पुत्रवत मानते हैं, वहीं कहते हैं कि पार्टी के कार्यकर्ता ही असली ताकत होते हैं. ऐसे में कार्यकर्ताओं को सदैव सम्मान दिया जाना चाहिए.

वे कहते हैं कि जो कुछ भी उन्हें मिला है, उनके आराध्य बालासाहब ठाकरे और एकनाथ शिंदे हैं, जिनके विचारों पर वे चलते हैं. न्होंने जिले में शिवसेना को मजबूती प्रदान करने में अपना हरसंभव प्रयास किया और कर रहे हैं. पार्टी प्रमुख मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ ही जिले के सभी नेताओं के साथ उनके पारिवारिक संबंध हैं. प्रशासन में भी उन्हें सम्मान दिया जाता है. अधिकारियों को सहयोग करने की भावना रहती है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जमीन से जुड़ा नेता बताते हुए कहते हैं कि गरीबी को करीबी से देखी है, इसलिए गरीबों के प्रति अपार प्रेम रहता है. राजनीति के अलावा सामाजिक,धार्मिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहते हैं.सिंधी समाज के साथ ही नानकराम नेभनानी संवेदनशील नेता हैं.राजनीति को समाजसेवा का माध्यम मानते हैं. उनका कहना है कि मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं होती है. मानवता की सेवा सबसे बड़ी सेवा होती है. इसलिए दलगत भावना से ऊपर उठकर सदैव यह की जानी चाहिए. जब हम मानवता की सेवा करते हैं तो इससे मिलने वाला संतोष कभी भुलाया नहीं जा सकता है. उनका स्पष्ट मत है कि जब हम अच्छी सोच के साथ कुछ करेंगे तो उसका नतीजा निश्चित ही अच्छा निकलेगा.बिना किसी बड़े पद पर रहने के बाद भी शहर विकास के लिए मुख्यमंत्री से अपने संबंधों का उपयोग करते हुए करोड़ों रूपए के विकास काम करने के साथ ही शिवसेना के हिंदुत्व संबंधी विचारों से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया. उनका मानना है कि जिस ठाकरे परिवार ने लाखों की जिंदगी बदल दी.शहरवासियों से सदैव प्रेम मिलने की बात कहते हुए वे कहते हैं कि कुछ बातें समय पर छोड़ देना चाहिए.जो प्रयास करता है, वही फेल या पास होता है. लेकिन जो प्रयास ही नहीं करता है, उसके जीवन में कभी कुछ खास नहीं होता है. शहरवासियों के प्रेम को अपनी सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए जीवनभर सदैव मानवता की सेवा करने का संकल्प दोहराया है. उल्लेखनीय है कि अल्प समय में नानकराम नेभनानी ने लाखों मित्रों का परिवार तैयार किया है, जो दिल से उन्हें चाहते हैं.

ज़गदीश गुप्ता की उम्मीदवारी है अति महत्वपूर्ण

हिन्दुत्व के साथ ही उपेक्षित बहुसंख्यकों के हितों को देते हैं अत्याधिक महत्व

भाजपा कार्यकर्ता हैं अमरावती और बडनेरा में भाजपा नेतृत्व के रवैये से आहत

पार्टी का अस्तित्व दांव पर लगाना सभी को खलने लगा, कई नेताओं ने धरा है मौन

विदर्भ स्वाभिमान,23 अक्तूबर

अमरावती- जीवन में विचारधारा हो अथवा हमारी सोच उसका अत्याधिक महत्व होता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज दोनों ही समय तथा स्वार्थ के मुताबिक बदलतेहैं. भाजपा को शहर तथा जिले में मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व पालकमंत्री जगदीश गुप्ता जैसे कई नेता आज पार्टी की भूमिका से नाराज हैं. वे समझ नहीं पा रहे हैं कि पार्टी को आगे बढ़ाने का प्रयास हो रहा है या उसे नुकसान पहुंचाने का प्रयास हो रहाहै. जगदीश गुप्ता ने जहां शहर में भाजपा को मजबूत बनाया था, वहीं पार्टी को महानगर पालिका की सत्ता तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. बीच में उनकी सक्रियता कम हुई थी लेकिन पार्टी नीतियों का उन्होंने कभी विरोध नहीं किया. उनके मुताबिक उनके खून में भाजपा विचारधारा है. लेकिन जब बात पार्टी की आती है तो वे संभाल नहीं पाते हैं. यही कारण है कि इस बार अमरावती विधानसभा चुनाव क्षेत्र से मैदान में उतरने का मन बनाया है. इसकी तैयारियां पिछले कई महीनों से कर रहे हैं. उन्होंने विस्वास जताया कि शहरवासी राजनीतिक दलों सेपरेशान हो रहे हैं. कौन कहां जा रहा है, कौन कहां जा रहा है, इसका पता नहीं चल रहा है. किसी का ध्यान नैतिकता, शहर विकास तथा अन्य बातों पर नहीं है. ऐसे में चुनाव में हिन्दुत्व के मुद्दे पर उतरेंगे. सकल हिन्दू समाज के साथ ही सनातन धर्म को वे महत्व देते हैं.

अपार लोकप्रियता मिली है

उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता के साथ ही जिले के विधायक तथा पालकमंत्री के रूप में काम करते समय सभी कीबात सुनने और समस्या का समाधान करने वाली नीति के कारण उन्हें अपार लोकप्रियता मिली है. भाजपा कार्यकर्ता आज भी उनके साथ दिल से जुड़े हैं, ऐसे सदस्यों की संख्या हजारों में है. वे कहते हैं कि जब काम अच्छा होता है तो लोगों का प्यार स्वयं ही मिलता है.

अमरावतीवासियों का सदैव प्यार मिला है. भाजपा से मैं कभी अलग नहीं रहा हूं. लेकिन कुछ बातें बुरी लगती हैं. अमरावती की जनता के प्यार के कारण ही सदैव हिम्मत मिली है. लोगों का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत होता है. उसी के चलते मैदान में उतरने का मन बनाया है. सबका साथ मिलने का विश्वास है.

जगदीश गुप्ता,अमरावती

सभी दलों में बिखराव का मिल सकता है लाभ

जिले के साथ ही विदर्भ में फिर एक बार मुस्लिम समाज को झटका लगने जैसी स्थिति है. सदैव सत्ता में अपने वोटों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समाज का इस बार कांग्रेस से मोहभंग दिखाई दे रहा है. अमरावती से चुनाव में उम्मीदवारी मांगने के बाद भी किसी भी पार्टी द्वारा मुस्लिम समाज को उम्मीदवारी नहीं दिए जाने से लोगों में रोष व्याप्त है. कथित धर्मनिरपेक्ष दलों ने अमरावती से लेकर पूरे विदर्भ में निराश किया है. इस समाज का स्वयं को रहनुमा बताने वालों ने उम्मीदवारों की सूची जारी करते समय यह भी नहीं सोचा कि उनकी कथनी और करनी का असर इस समाज पर क्या पड़ेगा. फिर से एक बार इस समाज के सामने अमरावती में यह चित्र पैदा हो गया है कि जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सवा लाख से अधिक मतदाता किसे वोट दें. वैसे तो राजनीति में नीति खत्म हो गई है. विचारधारा तो केवल भाषणों तक ही सीमित रह गई है. इसका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है. इसीलिए जो कल तक कांग्रेस में थे, वे आज बीजेपी में है और जिनको कल तक बीजेपी से एलर्जी थी, वे स्वयं आज उसके साथ हैं. इसका लाभ भी जगदीश गुप्ता को मिल सकता है. उनके शिक्षा क्षेत्र के साथ ही सामाजिक धार्मिक कामों में योगदान के मद्देनजर हजारों मित्र परिवार उनका इस समाज में भी हैं. उन्होंने न तो कभी विवादास्पद बयान दिया और न ही वे कभी विवादित रहे. उनके मुताबिक जो भी राष्ट्र से प्रेम करता है, उसका सदैव वे सम्मान करते हैं और उनके लिए सदैव हरसंभव सहयोग करने के लिए तत्पर रहते हैं. फिलहाल की स्थिति में उनकी अमरावती से उम्मीदवारी अत्याधिक महत्वपूर्ण साबित होगी. उन्होंने सभी से शहर विकास के लिए उन्हें साथ देने का आग्रह किया है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटसचे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन क्षणिक है, हमारा दिनभर का मूल्यांकन हमें ही करना चाहिए. हमारे स्वार्थ में कितने को हंसाया और कितनों को रुलाया. जब ऐसा लगे कि हमारी वजह से दिन में कई लोग हंसे तो यह समझना कि आज का दिन सफल हो गया. स्वयं भी हंसते रहें और अन्यों को भी हंसाने का प्रयास करें. ज़ीवन में जो लोग काम,क्रोध, लोभ, मत्सर से दूर होते हैं, जो सभी को अपना मानते हैं, उनके चेहरे की चमक और उनकी मुस्कराहट भी अनुभवी व्यक्ति के ध्यान में आती है. इसलिए जितन संभव हो सके, अच्छा करने का प्रयास करें. हम संसार रूपी गाड़ी के यात्री हैं, कहां ऊपरवाला उतार दे, इसका भरोसा नहीं है. आज में जिएं, खुश रहें,आपका दिन मंगलमय हो.....

विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 अक्तूबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. इस मानवीयता के नेक काम में आप विज्ञापन के माध्यम से हमें सहयोग देकर इस कड़ी को बढ़ाने का प्रयास करें.

पद, प्रतिष्ठा न कभी किसी के साथ हमेशा रही है न रहती है. लेकिन जिन लोगों ने पद और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित में किया रहता है, वे बिना पद के भी सम्मानित रहते हैं. मरने के बाद भी नहीं मरने वाले लोगों में उनका नाम रहता है. इसलिए सदैव अच्छी सोचते हुए अच्छा करना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com